

**JHSPH HUMAN SUBJECTS RESEARCH ETHICS
FIELD TRAINING GUIDE**

শান্ত রিসুব্যক শবেষনার তৈরিকভা বিষয়ক জ্ঞ এইচ এম পি এলি ফিল্ড প্রশিক্ষণ নির্দেশিকা

শান্ত রিসুব্যক শবেষনা কর্মকালের মাথে জাতিক ভাবের প্রশিক্ষণের টেপকরণ বিমের চ্যৱচারের আভিধায়ে এ নির্দেশিকা হৈতি গঠহে। এই নির্দেশিকা জন্ম ইপকিলের প্রধান শবেষকগনের জন্য বিশেষভাবে প্রযোজ্য শান্ত টিনি মেষার শান্ত (১) শবেষনার জাখছহনকারীদের কাহ থেকে অবশিষ্ট মন্ত্রিত শহন করবেন জ্ঞন্তা (২) জাখছহনকারী লোকদের কাহ থেকে একক কা দলীয় ছাবে মাঝার শহনের সাধ্যমে ব্রথ্য মঞ্চে, প্রৱিক পন্থিমাপ কা জাখছহনকারীর মন্ত্রারি মঞ্চপর্য জ্ঞন্তান্ত শবেষনার কার্যপনালী চামুবাস্ত করবেন বলা হয় “ব্রথ্য মঞ্চের কারী” ভাবের প্রশিক্ষণ প্রদানের জন্য দায়িত্বপ্রাপ্ত। এ গাইডের উপাদান ও ঢাষার ক্ষেত্র বিশেষ করে সৌনিক শবেষনার কার্য ও শবেষনার জাদুন্ত বিষি মন্ত্রিক ব্রথ্য মঞ্চের কারীদের কাহে প্রচারে শবেষককে মাশায় করবে। জামানা উৎসাহিত করহি যিতি এ দলিল নিজের ঢাষার জামানা জামাদের শবেষকদের কাহে মঞ্চ লড় করবে পান্তি।

TABLE OF CONTENTS

1. Ethical Interaction with Human Participants (শান্ত জাখছহনকারীদের মাথে তৈরিক যোগাযোগ)

a. Role of the Data Collector (ব্রথ্য মঞ্চের কারীর পূর্ণিকা)

b. Importance of Respect (মন্ত্রানের শুভক্ষু)

c. Voluntary Participation (চৰকাশ জাখছহন)

d. Informed Consent (অবশিষ্ট মন্ত্রিত)

e. Vulnerable Populations (বুঁকিপূর্ব জনগোষ্ঠী)

f. Personal Privacy (ব্যক্তিগত যোগোষ্ঠী)

g. Protection of Personal Information (ব্যক্তিগত ব্রথ্য মঞ্চক্ষণ)

h. Response to Participant Questions (জাখছহনকারীর প্রশ্নের উত্তৰ প্রদান)

2. Data Integrity (ব্রথ্যের উক্তি)

a. Respect for the Science of the Study (শবেষনার প্রতি মন্ত্রান প্রদর্শন)

b. Collecting, Recording, and Storing Study Data (শবেষনার ব্রথ্য মঞ্চে, নথিছুচ্ছ এবং মঞ্চক্ষণ)

c. Deviations from Study Procedures (শবেষনার কার্যপনালী থেকে বিচ্ছিন্ন)

1. Ethical Interaction with Human Participants (শান্ত জাখছহনকারীদের মাথে তৈরিক যোগাযোগ)

a. Role of the Data Collector (ব্রথ্য মঞ্চের কারীর পূর্ণিকা)

गवेषना दलस दक्षिण भृत्य मध्य उपर्युक्त गवेषन करने वाली एकजुट प्रतिवेदिति। कथनात् उपर्युक्त गवेषन भृत्य मध्य उपर्युक्त गवेषना दलस एकमात्र मदमय इन शब्दों माथे गवेषनाम् जांश्चर्हतकारीन् घोगायोग थाके।

जांश्चर्हतकारी यिति भास्त्र माथे देखा करने वाला बाध्यमे यिति गवेषना मध्यके छालो वा खानाप धारना निवे पानेत वा तिर्त्त वारे भृत्य मध्य उपर्युक्त करने वाले निजेके उपस्थापन करने वाले। भृत्य मध्य उपर्युक्त याकावे ये यिति तिर्त्त वरेन यिति ये चयाङ्गिदेव भृत्य मध्य उपर्युक्त करने वाले ज्ञाने आजि ज्ञाने कि ना। भृत्य मध्य उपर्युक्त याकावे ये यिति ये भृत्य मध्य उपर्युक्त तथिद्वय करने वाले या माटिक एवं या यातिये याम्या थेके मध्यके। अन्यताम् गवेषना उपदेश उपर्युक्त याकावे वारे ना। मारुल्य देव श्वेत भृत्य मध्य उपर्युक्त याकावे अन्यताम् गवेषना परिकल्पना, गवेषना कार्यक्रमन बानुभ्याल एवं जांश्चर्हतकारी बानुभ्ये याम्या मध्यके अन्यताम् कार्यवाली मध्यक्रमन माथे जन्मन वारे वारे।

b. Respect (मस्तान)

प्रत्येक चयाङ्गि यिति गवेषना दलस मदमय ज्ञानयहि मस्तान प्रदर्शन करने वाले

- the goals of the research project, (गवेषना प्रकावन मारुल्यन प्रति)
- the leaders of the project, (प्रकावन नेतृत्वेर प्रति)
- the individual study participant, (जांश्चर्हतकारी चयाङ्गिन प्रति एवं)
- the participant community and (जांश्चर्हतकारीन मसाजेन प्रति एवं)
- the data collected that will help achieve project objectives. (गवेषनाम् उपदेश मध्यादनेर जन्य ये भृत्य मध्य उपर्युक्त करने वारे)

गवेषना प्रकावन बाध्यमे मसाजेन जन्य शुल्क वूत उपर्युक्त वूत उपर्युक्त करना वारे किन्तु या वृथतहि मध्यव वरे यथत गवेषना दल गवेषना वाल अकल जांश्चर्हतकरने। प्रत्येक गवेषना दलस मदमय ज्ञानयहि जांश्चर्हतकारीन मसाजेन मकल मध्यादनेर माथे ये कोत जाचनन मस्तानेर माथे करने वाले। येषत मस्तान प्रदर्शन करने वारे जांश्चर्हतकारीन मसाजेन मध्यादनेर लिंग, मासाङ्गिक वर्णादा, वर्ष एवं मस्तानेर ज्ञानयहि तिर्त्तिये या प्रत्येक बानुभ्ये याम्या पार्थक्येन मुक्ति करने एवं भावेन प्रथ करना जांशिकाव। चयाङ्गि कथनात् गवेषनाम् जांश्चर्हत करने वा माटिक भृत्य प्रदानेर बाध्यमे माहाय करने वा यदि ना गवेषना दलस मदमया जांश्चर्हतकारी वृद्ध वा ना वलान जांशिकावेर प्रति मस्तान प्रदर्शन करने।

भृत्य मध्य उपर्युक्त कारी प्रत्येक जांश्चर्हतकारीके मस्तान प्रदर्शनेर बाध्यमे गवेषना उपदेश ये भृत्य मध्यहेत शुल्क वरे विषय प्रचार करने वाले। येषतः

* जांश्चर्हतकारी जांश्चर्हनेर हैंसा प्रोषन करने वा ना करनेर मरममय भास्त्र माथे छ्य चयाङ्गवार करने वारे।

* यदि भृत्य मध्य उपर्युक्त जिज्ञेस करने वाले परिस्कार जांशाजे जिज्ञेस करने वाले।

* भृत्य परिस्कार भावे भृत्य मध्यहेत कागजे तथिद्वय करने वाले।

* यदि जांश्चर्हतकारी कोत प्रथ करने वाले माटिक उत्तर दिवेन। जापनान उत्तर जाना ना थाकले मध्यव वल जापनान मुपाराणजानेर काह थेके उत्तर मध्यहेत करने वाले, जांश्चर्हतकारीके बन्दुन उत्तर जेने वा भाके जानावेन।

* यथत गवेषना कार्य प्रनाली मध्यम वरे भृत्य जांश्चर्हतकारीके धन्यवाद दिन।

c. Voluntary Participation (सेवाम् जांश्चर्हन)

गवेषना प्रकावन जन्य कोत एकक चयाङ्गिर प्रयोजन ना ओ वडे पारे। यदि गवेषना प्रकावन जांशिक प्रयोजन वृद्ध भृत्य प्रत्येक चयाङ्गिके एकजुट गवेषना दलस मदमय जन्मन वाल जांशिकाव याकावे गवेषना मध्यके योना थेके प्रत्ययान करना वा गवेषनाम्

जांश्वरहन प्रब्लेम्स करता है। यदि कोन स्टेप्स गवेषना जांश्वरहन करता है तो उसके कोन निर्दिष्ट प्रश्नों में से एक जो आवश्यक है वह यह है कि कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं।

गवेषना द्वारा योग्य यथा अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं।

d. Informed Consent (अवधिकारी गवेषना)

यह बाणीजिक जांश्वरहन करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं।

मात्रा यथा अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं।

e. Vulnerable Populations (वृक्षिकारी जनगणना)

किंतु जनगणना कोन निजीका गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं।

f. Personal Privacy (प्राइवेसी गोपनीयता)

प्राइवेसी गोपनीयता गोपनीयता विषय कोन निजीका गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गोपनीयता विषय कोन निजीका गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गोपनीयता विषय कोन निजीका गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं। अवधिकारी गोपनीयता विषय कोन निजीका गवेषना करते हैं तो कोन निजीका गवेषना करते हैं और कोन निजीका गवेषना करते हैं।

कोन प्रकार अप्पोजरीम चयंत्रिगत जावेसि मुच्चे ना बाबे गवेषना दलने मदमयके जनगाहे जाणेश्वरकारीन चयंत्रिगत गोपनीयतात विश्वे मसान प्रदर्शन करते थवे। ये मस्तु उथ्य अर्पकारत मेमस्तु प्रश्न ओउत्र एमन झाने करते थवे येखान थेके जन्य कोन चयंत्रि भा उनते ना पारें। दैहिक पर्नीका ये झाने थवे मे झाने जन्य लोक येन देखते ना पारें। एकई माथे, किंचु किंचु विश्व आहे एमन योन कर्मकाळ, चयंत्रिगत शास्त्र या कोन चयंत्रि प्रकाश्ये जालोचना पद्धन ना ओ करते पारेन।

g. Protection of Personal Information (चयंत्रिगत उथ्य मंत्रकन)

उथन कोन गवेषनास जाणेश्वरकारी भाव चयंत्रिगत उथ्य उथ्यमध्येकारीन काहे प्रकाश करते उथन चिनि भा प्रकाशित थवे शाज्ञार झुँकिते थाकेन। भाव जार्थ इच्छ चिनि गोपनीयता हारनार झुँकिते थाकेन। झुँकि इच्छ यदि कोन गवेषना चयंत्रिगत चयंत्रि ए मकल चयंत्रिगत उथ्य जेने भाके लज्जित भा चाळुवि द्युज, जाहिनेश्वर उत्रभा ना मासांजिक अंजि माधव करते पारेन। गवेषना दल ए धरनात्र अंजि माधव थेके जाणेश्वरकारीके रसा करवेन।

एकजूत जाणेश्वरकारी भाव उथ्य प्रदान कराव दल मेहि चयंत्रिगत उथ्य जावेसि गोपनीयता नाथे मंत्रकन करते थवे। कोन चयंत्रि भाव उथापत्त अनुमति नेहि चिनि ए उथ्य देखते पारवेन ना। यदि उथ्य काशजे लेखा थाके भावे भा मंत्रकन करते थवे उत्तमत पर्श्व भा केविनेटे भाला दिये नाथा यस। गवेषके भालोनां गवेषना कर्वी ए उथ्य तियो काज करवेन। यदि ए उथ्य शैलेकट्रिनिक इश्व भावे एमन भावे मंत्रकन करते थवे यावे जावेश्वर उथापत्त भावे एवेष भावे कोन चयंत्रि भावे येवेश करते ना पारेन।

कथन ओ कथन ओ ए उथ्य मनाळ कराव जन्य एकांच रज्यल स्टाटि नवर उत्रवार थवे थाके शावे केटे जानते ना पारेन कोन जाणेश्वरकारी थेके ए उथ्य नेश्व शेवहे। कोन दलिल यदि भाव नाम ओ आंगिति नवर लिङ्क थाके भावे भा विजापद झाने भाला दिये नाथते थवे। गवेषनार परिकल्पना एवं जपारेशन भावुयेल अनुमतन करते थवे यावे करते निश्चित इश्वा यास ये गवेषनार उथ्य मंत्रकित जाहे ये भावे भावुयेल चर्चित जाहे मेहि तिश्व जावुयारी।

h. Response to Participant's Questions (जाणेश्वरकारीन प्रध्वेन उत्तर प्रदान)

एकजूत उथ्य मंत्रकारी विचित्र लोकेन माथे देखा करवेन येमन मसार्य जाणेश्वरकारी, गवेषनास जाणेश्वरन जाणेश्वरकारी, कोंडुलि पर्वक याना गवेषनार माथे ऊटित तन यादेन गवेषना मंत्रके प्रश्न थाकेव। किंचु लोक झुँकते पारवेन ना गवेषना कि एवं गवेषक याना ए गवेषनास नेहुवु दियेन। भादेन मवरकम प्रश्न थाकेव यान किंचु जादो गवेषना कार्यक्रमेर माथे मंत्रकित नस।

गवेषकगत उथ्यमध्येकारीदेन प्रश्नेन उथ्य मंत्रकारी लोकदेन मसार्य विचित्र प्रध्वेन मसाधान दिते पारेन। एव भावन इच्छ उथ्य मंत्रकारी यिनि फिले दैतिक गवेषनार प्रतिनिष्ठि शिमेव मसार्य जाणेश्वरकारी एवं मसाजेन लोकजनदेन माथे कथा चलवेन। एटि शूरभूष्टुपूर्व ये उथ्यमध्येकारीके प्रत्येक चयंत्रिके भादेन प्रश्न ओ उत्काके यथापत्त मसाधान प्रदर्शन करते थवे एवं भाव भार्योक चेंडी करते थवे भाव मसाधान दिते।

एकजूत उथ्यमध्येकारीके थते थवे ईर्ष्याल शावे चिनि शब्दूर झानेन भाव उपर जाणेश्वरकारीन मकल प्रध्वेन उत्तर दिते। एकजूत उथ्यमध्येकारी कथनावे एमन उत्तर दिते ना या चिनि जानेन ना कावत मासांजिक भावे कोन उत्तर ना देशाव चेये टुल उत्तर देश वेसी खाताप। जापनि यदि एकजूत उथ्यमध्येकारी इत भावे एवं एकजूत जाणेश्वरकारी जापनाके प्रश्न करतेहेव याव यथापत्त उत्तर जापनार झाना नेहि उथन जापनार कावत एव माध्यमे जाणेश्वरकारीके मसाधान प्रदर्शन कर्वा यस एवं एटि तिश्चित करेये जाणेश्वरकारी उपर चिति करेये जापनि ये उथ्य दियेहेव भा माटिक। उथन जापनि भाववेन ये जाणेश्वरकारी आव कोन प्रश्न नेहि उथन जापनि जिजेम कर्वन “जापनार भाव कोन प्रश्न जाहे?” तिश्चित इश्वार जन्य ये मकल प्रध्वेन मसाधान देश शेवहे। यदि भाव कोन प्रश्न ना थाके भावे जाणेमन इत।

2. Data Integrity (उथेन उक्ता)

a. Respect for the Science of the Study (गवेषनार प्रति मसाधान प्रदर्शन)

ब्रह्म इहे गवेषनार “ऐप्पल फल”। माटिक डावे ब्रह्म मध्ये, नश्चिक्क करता एवं मध्यमन करता आजि शूल-बुपूर्ति। गवेषनार परिकल्पना जनुआरी गवेषनार एप्प्लेर डिते गवेषकगत एवं ब्रह्म ब्रह्मवार करवेत। यदि ब्रह्म फुल इस ब्रह्म गवेषकगत ऐते फुल शुचिहेत भाष्ट फुल शवे। गवेषनार फुल फलाफल बानुषेत जौवन प्राणित शेते पारे काऱन गवेषनार डिते फुल एवं एते फले प्रवर्ती पदक्षेपणे फुल शवे। भावे मरमस्य माटिक डावे ब्रह्म मध्ये, नश्चिक्क करता एवं मध्यमन करता आज्ञा शूल-बुपूर्ति। यदि कथनात जापाति फुल करवेत जापाति जापाति जापाति मुपारडेहिजारके माटिक डावे जातावेत शाते करे गवेषकगत ओ गवेषनार नेत्रात्रे शिति जाहेत भासा जाताते पारेत। भासा ब्रह्म मध्यमन मध्यमन गवेषनार पारवेत चा भासा जाताते पारवेत किंतु ब्रह्म ब्रह्मवार घोष्य नन्हा।

b. Collecting, Recording, and Storing Study Data (गवेषनार ब्रह्म मध्ये, नश्चिक्क एवं मध्यमन)

गवेषनार परिकल्पना घासा बुचास प्रकारेत ऐप्प्लेर एवं किंतु गवेषना दल मध्ये ऐप्प्लेर मध्यमन करवेत। ब्रह्म मध्ये, नश्चिक्क करता पदक्षित विस्तारित विवरन एवं किंतु डावे भा करते शवे भा गवेषनार जापारेशन बानुयेले विस्तारित विवरन लिपिवद्ध थाकवे। ब्रह्म मध्यमनकारीके जावग्याई ब्रुत्ताते शवे माटिक डावे किंतु डावे ब्रह्म मध्ये करते शवे एवं किंतु डावे भा नश्चिक्क करते शवे। गवेषनार नेत्रात्रे दानकारीता ब्रह्म मध्यमनकारीदर ए विशेष प्रणिक्कन दिवेत। यदि ब्रह्म मध्यमनकारीत कोन प्रश्न थाके भावे जिति कोत उप ता पेजे प्रश्न जिज्ञेस करवेत। मरज इहे यदि ब्रह्म मध्यमनकारी कोत प्रश्न ता करवेत भावे ब्रुत्ताते शवे भासा विचित्र नश किंतु डावे काज करते शवे एवं भासा विचित्र शेते पारवेत ता ए ब्रह्म जिति मध्ये करते हेत भा माटिक कि ना।

यथन प्रणिक्कन शेष शवे ब्रह्म ब्रह्म ब्रह्म निर्देश माटिक डावे जनुमरन करता एवं ब्रह्म मध्यमनेर मिटि माटिक डावे पूरन करता। माटिक नश्चिक्क करत इहे एप्प्लेर डिते लिखा इमेहे माटिक ओ परिस्तार डावे। ब्रह्म मध्यमनकारी जावग्याई ब्रह्म मध्यमन करवेत माटिक डावे ओ मरवार माथे। जाबितित ब्रह्म या ब्रह्म मध्यमनेर फरमे नेहै भा लिपिवद्ध करते शवे ता। येवत, यदि “तास” ता “टिकाता” लेखार कोत जागणा ता थाकले ब्रह्म ए मकल ब्रह्म लिपिवद्ध करता थावे ता। कोत आङ्कडा भा कवना प्रमुख ब्रह्म मध्ये चा नश्चिक्क करता थावे ता। ब्रह्मेर माटिक मध्यमन इहे मकल विनापडामुक चरवडा तिते शवे यथन ए ब्रह्म छूटाण्ड मध्यमनेर झाने मरवार करता शवे। ब्रह्म मध्यमनकारी ब्रह्म मध्यमनेर फरम एवं झाने जाथवेत ता येथात थेके भा शातिये थेते पारे चा छूटी, ता अन्य केटे शिति गवेषनार माथे जाटित तत जिति भा पढते पारेत। ब्रह्म मध्यमनेर शीट थाके मध्यमनेर दासित्रे जाथे इमेहे भाके मरवार करते शवे एवं जिति ब्रह्म घोपनीवार रक्षा करवार ध्योजनीय पदमेप जनुमरन करवेत। यदि ब्रह्म इलेक्ट्रनिक पदक्षिते मध्ये करता उप थाके तम क्षेत्रे एकई विशेष मृद डावे, शेवते माथे मध्यमनेर चरवडा तिते शवे।

c. Deviations from Study Procedures (गवेषनार कार्यथनाली थेके विच्छिन्न)

कथनात एकजत ब्रह्म मध्यमनकारी निजेत फुल ता अज्ञा मज्जेत गवेषना कर्त पदक्षिते जनुमरन करते पारेत ता जावार कथनात ब्रह्म मध्यमनकारीत फुल शेते पारेत। ए मध्यमा मध्यके गवेषनार नेत्रात्रनके जातानो आज्ञान्त्र शूल-बुपूर्ति करवत गवेषनार नेत्रात्रनके दासित्रे इहे ए मकल मध्यमा इन्टीरनयनाल विचिते वोर्कके जानानो। ए धरनेन मध्यमा निपोर्ट करते कोन लज्जा नेहै। ए मध्यमा मरमस्य शेते पारेत। आटि डालो तश, यदि ब्रह्म मध्यमनकारी ए मध्यमा मध्यके जावित करते जापारण इत काऱन जिति यदि भावे करवत एत माध्यमे ब्रह्म शूल-ज्ञास पावे चा जाश्वरकारी गवेषनार मध्यमा शवे। एत भासा गवेषनार मुपारडेहिजार जाईजार. वि ले निपोर्ट दिते जापारण शवेत।

एकजत डालो ब्रह्म मध्यमनकारी ए धरनेन मध्यमा भासा मुपारडेहिजारके जावित करवेत एवं जिति ध्योजनीय पदमेप शेवत करवेत।